

## कन्सर्न फॉर कोलकाता का पानी बचाने पर सत्र पानी की कमी भविष्य के लिए चुनौती

कोलकाता. पानी की कमी निकट भविष्य के लिए एक चुनौती है। महानगर की गैर-सरकारी संस्था कन्सर्न फॉर कोलकाता की ओर से पानी बचाने पर इंटरएक्टिव सत्र का आयोजन किया गया। इसका विषय था--कोलकाता के नागरिकों को क्यों पानी की चुनौतियों पर चिंतित होना चाहिए? इसमें वक्ताओं के फैलन ने भाग लिया। इसमें पैटन ग्रुप के बिजनेस डेवलपमेंट की प्रेसीडेंट प्रियम बुधिया ने सुझाव दिया कि सभी स्कूल और बहु मंजिला इमारतों में जल संचयन की सुविधा होनी चाहिए। जादवपुर विश्वविद्यालय की प्रोफेसर और भारतीय जल निर्माण संघ अध्यक्ष डॉ. अरुणाभ मजूमदार ने कहा कि केएमसी और सरकार का कर्तव्य है कि वे पर्याप्त पेयजल



कन्सर्न फॉर कोलकाता की गोष्ठी में उपस्थित अतिथि।

प्रदान करें। सभी नागरिकों को यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करना चाहिए कि पानी बर्बाद न हो। कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष नारायण जैन ने पानी में आर्सेनिक समस्या पर प्रकाश डाला जिससे कई मौतें हुईं। जैन ने कहा कि भारत के साथ-साथ अन्य विकसित देशों को भी लंबे समय में पानी की कमी का सामना करना पड़ेगा। वक्ताओं ने पीने के पानी की गुणवत्ता के बारे में कई मिथकों को तोड़ा, जिन्हें हम विभिन्न स्रोतों जैसे केएमसी, नगरपालिकाओं, पैक और बोतलबंद पानी और नदियों से प्राप्त होने वाले

पानी से प्राप्त करते हैं। कन्सर्न फॉर कोलकाता के अध्यक्ष केएस अधिकारी ने स्वागत भाषण दिया। बीजी रॉय, केसी तिवारी, अनिल जैन, डॉ. दीपांकर अधिया और अन्य मौजूद थे। एनजीओ ने माधव सुरेका को कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष बनने पर सम्मानित किया और आरडी काकड़ा को अखिल भारतीय फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में चुने जाने पर बधाई दी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अशोक पुरोहित सचिव ने सभी का धन्यवाद किया।